सोमवार
07 मार्च 2022

पृष्ठ 4

गले लगाने के भी हैं कई फायदे

पृष्ठ 5

नवाजुद्दीन के साथ फिल्म अफवाह में नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 42
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

बिना ग्रंथ के ईश्वर मौन है, न्याय निद्रित है, विज्ञान स्तब्ध है और सभी वस्तुएँ पूर्ण अंधकार में हैं।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मतगणना से पहले भाजपा का चुनावी नतीजों पर महामंथन

विशेष संवाददाता

देहरादून। भितरघात की खबरों से घिरी भाजपा ने आज चुनावी नतीजों से पहले संभावी सभी स्थितियों पर एक अहम बैठक बुलाकर महामंथन किया। चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी की अध्यक्षता में आज हुई इस बैठक में प्रत्याशियों से उनकी परफारमेंस को फीडबैक लिया गया। जिसके आधार पर संभावित नतीजों पर आगे की रणनीति तैयार की जा सकी।

बैठक से पूर्व सीएम धामी ने एक बार फिर कहा कि सभी लोगों ने बहुत मेहनत की है हमें सकारात्मक परिणाम आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जीत भाजपा की ही होगी और हमारी सरकार बनेगी। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और

❑सभी प्रत्याशियों से लिया गया फीडबैक
❑मतगणना के दिन अपने स्थान पर रहने को कहा

तमाम पूर्व मुख्यमंत्रियों तथा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक सहित सभी 70 प्रत्याशियों ने भाग लिया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक बैठक के बारे में कोई औपचारिक जानकारी नहीं दी गई लेकिन भाजपा ने मतगणना वाले दिन अपने सभी प्रत्याशियों को अपने-अपने स्थानों पर रहने के लिए कहा गया है और संगठन के कार्यकर्ताओं को मतगणना स्थलों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

दरअसल चुनाव से पूर्व टिकट बंटवारे को लेकर भाजपा में भारी घमासान की स्थिति देखी गई थी। टिकट न मिलने से नाराज कई भाजपा नेताओं व विधायकों ने बगावत कर दी थी जिसके कारण हाई कमान ने राजकुमार ठुकराल, टीका प्रसाद मैखुरी, महावीर सिंह रांगढ़, जितेंद्र नेगी, धीरज चौहान व मनोज साह सहित तमाम नेताओं को पार्टी से निकाल दिया था। मतदान के बाद भाजपा विधायक संजय गुप्ता, कैलाश गहतोड़ी, हरभजन सिंह चीमा व केदार सिंह रावत सहित अनेक प्रत्याशियों द्वारा पार्टी के ही लोगों पर भाजपा के खिलाफ काम करने के आरोप लगाए गए थे। जिन्हें लेकर भाजपा हाईकमान तक हड़कंप मचा रहा। यही कारण है कि भाजपा इस चुनाव के नतीजों को लेकर आश्वस्त नहीं हो पा रही है तथा मतगणना के बाद आने वाले

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

जोर-जुगाड़ वालों से सावधान रहे कांग्रेसी नेता: हरीश रावत

विशेष संवाददाता

देहरादून। चुनाव परिणाम आने में भले ही अभी तीन दिन का समय शेष है लेकिन संभावित नतीजों को लेकर सूबे की राजनीति का पारा चढ़ता ही जा रहा है। किसी भी दल को बहुमत के लिए जरूरी 36 सीटें न मिल पाने के अंदेशे ने मतगणना से पूर्व ही जोड़-तोड़ की खबरों को हवा मिलने से हड़कंप मचा हुआ है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के दून में आते ही चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। 2016 में कांग्रेस में हुई टूट-फूट और सत्ता परिवर्तन की कोशिश में अहम भूमिका निभाने वाले विजयवर्गीय की दून में उपस्थिति और भाजपा नेता महेंद्र भट्ट के उस बयान जिसमें उन्होंने कांग्रेस के कई जिताऊ प्रत्याशियों के भाजपा के संपर्क में होने की बात कही गई है, को अति गंभीरता से लेते हुए कांग्रेसी नेताओं ने और अधिक सतर्कता बरतने की बात कही है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अपनी पार्टी के नेताओं को सतर्क करते हुए

❑मतगणना से पहले ही हो चुका है हार का अंदाजा

कहा कि उन्हें जोड़ जुगाड़ करने वालों पर निगाह रखने की जरूरत है। उनका कहना है कि भाजपा के नेताओं का इतिहास रहा है कि वह अपना खेल बिगड़ते देख किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिदायत दी है कि वह सावधान रहें, साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के अंदर बढ़ती बेचैनी और कवायद इस बात का साफ संकेत है कि भाजपा चुनाव हार रही है और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है।

भले ही चुनाव परिणाम से पहले

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

यूक्रेन के चार शहरों में सीजफायर का एलान!

कीव। रूस–यूक्रेन के बीच का युद्ध आज १२वें दिन भी जारी है, हालांकि, यूक्रेन के चार शहरों में सीजफायर का एलान किया गया है। जिन शहरों में सीजफायर की घोषणा की गई है उनमें कीव, खारकीव, सुमी और मारियूपोल शामिल है। दोपहर साढ़े १२ बजे से सीजफायर का एलान किया गया है। फ्रांस के कहने पर रूस की तरफ से यह कदम उठाया है। सुमी में अभी भी करीब ७०० भारतीय फंसे हुए हैं। सीजफायर के दौरान यूक्रेन में फंसे हुए विदेश नागरिकों को निकाला जाएगा और इस दौरान रूस की सेना ड्रोन से नजर रखेगी। गौरतलब है कि रूस की तरफ से सीजफायर का एलान ऐसे वक्त पर किया गया है जब दोनों देशों के बीच तीसरे दौर की आज बातचीत होगी। इधर, पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात की है। अब प्रधानमंत्री मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी बात करेंगे। रूस की तरफ से लगातार हमले किए जा रहे हैं। अब तक यूक्रेन के कई शहर हमले में पूरी तरह तबाह हो चुके हैं साथ है सैकड़ों की जान जा चुकी है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्कि भी रूस के सामने हार मानने को तैयार नहीं है। रूस–यूक्रेन के बीच इस बढ़ते तनाव को देखते हुए अब इजरायल, फ्रांस और तुर्की समझौता कराने की कोशिश में जुटे हुए हैं। बता दें, रूस और यूक्रेन आज तीसरे दौर की बातचीत के लिए आमने–सामने बैठेंगे। इससे पहले हुई दो दौर की बातचीत में कोई नतीजा नहीं निकला है।

❑फंसे लोगों को निकालने के लिए बनेगा ह्यूमेन कॉरिडोर

देश में पिछले 24 घंटों में आए कोरोना के 5 हजार से कम नए मामले, 66 लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी क्रम में देश में पिछले २४ घंटे में कोविड–१९ के ५ हजार से कम नए केस सामने आए हैं। ऐसे में पिछले २४ घंटे में कोरोना के ४,३६२ नए मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, इस दौरान ६६ लोगों की कोविड–१९ से मौत हुई है।

इसके साथ ही कोरोना से ठीक होने वालों की संख्या ४,२३,६८,०६५ हो गई है, जबकि डेली पॉजिटिविटी दर ०.७१ फीसदी दर्ज किया गया है। वहीं, देश में अब तक १७८.६० करोड़ लोगों को टीके की खुराक दी जा चुकी है। बता दें कि रविवार को कोरोना के ५,४७६ नए मामले सामने आए थे।

ऐसे में कल के मुकाबले आज नए मामलों में कमी दर्ज की गई है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में २३ और लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं, जिसके बाद कोविड–१९ के कुल मामलों की संख्या बढ़कर ७,०८,४७६ हो गई है। ये नए मामले रविवार को सामने आए। वहीं, मृतकों की संख्या ११,८७७ पर बनी हुई है। ठाणे में कोविड–१९ मृत्यु दर १.६७ प्रतिशत है। वहीं, पड़ोसी पालघर जिले में कोविड–१९ के मामले बढ़कर १,६३,४२३ हो गए जबकि मृतकों की संख्या ३,३९२ पर बनी हुई है।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की बात करें तो यहां रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के ४६ मामले आए, जो मार्च २०२० के बाद से सबसे कम हैं। इससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर १०,५६,९१८ हो गई, जबकि लगातार नौ दिन तक संक्रमण से किसी की मौत नहीं होने से मृतक संख्या १६,६९२ पर स्थिर है। इसके अलावा देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार को कोविड–१९ के २४९ नए मामले आए और संक्रमण से किसी की मृत्यु नहीं हुई।

दून वैली मेल

संपादकीय

सत्ता पर झपट्टे की रणनीति

तीन दिन बाद पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आने हैं। 10 मार्च को आने वाले इन चुनावी नतीजों से पहले सभी राजनीतिक दलों के बारे में रणनीति बनाने की खबरें आ रही है। चुनावी नतीजों पर रणनीति बनाने की इन खबरों के बारे में लोग सोच रहे हैं कि चुनाव परिणाम तो जैसे आने हैं वैसे आएंगे ही इसमें राजनीतिक दलों की रणनीति क्या करेगी? जिसे जितनी सीटें मिलनी है उतनी ही मिलेगी इस रणनीति से सीटें कम या ज्यादा तो हो नहीं सकती फिर इस रणनीति की क्या जरूरत है? दरअसल यह रणनीति चुनाव परिणामों की रणनीति नहीं है यह रणनीति सत्ता पर झपट्टे की रणनीति है। यह रणनीति लोकतंत्र के चीरहरण की राजनीति है जिसका उद्देश्य है बहुमत मिले या न मिले लेकिन सत्ता कैसे मिल सकती है इसकी राजनीति और रणनीति है। आज की राजनीति में जब यह जरूरी नहीं रहा है कि सरकार उसी दल की बनेगी जिसने बहुमत के लिए सीटें जीती होगी। तब ऐसी स्थिति में इस रणनीति का ही सबसे ज्यादा महत्व होता है। 2012 में कांग्रेस के पक्ष में जनादेश आया उसकी सरकार भी बन गई, लेकिन 2016 में जो हुआ उसे हम सभी जानते हैं यह अलग बात है कि हरीश रावत अपनी सरकार को बचा ले गए, लेकिन एक बारगी तो काग्रेस की सरकार चली ही गई थी। मध्य प्रदेश का उदाहरण हमारे सामने हैं जहां जनता ने कांग्रेस को सरकार बनाने का जनादेश दिया लेकिन वहां अभी भी शिवराज सिंह भाजपा की सरकार चला रहे हैं। एक नहीं इस तरह के तमाम उदाहरण हैं। जिन पांच राज्यों के 10 मार्च को नतीजे आने हैं उन तमाम राज्यों के नतीजों को लेकर राजनीतिक दल जो रणनीति बना रहे हैं वह भी कुछ ऐसी ही रणनीति है। अगर किसी दल को ठीक-ठाक मजबूत बहुमत मिल गया तो अलग बात है लेकिन अगर बात बहुमत के आस-पास रहने की स्थितियां बनती है तो यही रणनीति अपना रंग दिखाती है। विधायकों की खरीद-फरोख्त करनी पड़े या फिर किसी दल में विभाजन कुछ भी किया जा सकता है। ऐसे में किसी भी खासकर छोटे दलों को अपने विधायकों को एकजुट और संभाले रखना चुनाव जीतने से भी ज्यादा मुश्किल काम हो जाता है। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के परिणामों के बारे में जो संभावनाएं जताई जा रही है वह भाजपा व कांग्रेस के आस पास ही रहने की है। कोई भी 36 के पार जा सकेगा या नहीं सबसे ज्यादा सीटें जीतकर बड़ा दल बन सकेगा कि नहीं? यह सवाल भाजपा और कांग्रेस दोनों के ही सामने खड़ा है। अभी से अपने विधायकों की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस चिंतित है। भाजपा नेता अभी से कई कांग्रेस के जिताऊ विधायकों के संपर्क में होने की बात कर रहे हैं। केंद्रीय नेताओं का राजधानी में जमावड़ा शुरू हो गया है। सत्ता झपटने के लिए प्लान ए,बी,सी बनाए जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि सरकार किसकी बनेगी और किसकी चलेगी या नहीं। सवाल जनता की अभिव्यक्ति के सम्मान का है जिसके तहत हमारा संविधान आम आदमी को वोट देने का अधिकार देता है। क्या उस जनादेश की सुरक्षा चुनावी रणनीति में संभव हो सकती है?

राजधानी दून में भू माफियाओं के हौंसले बुलंद!

पिछले दिनों कब्जायी गयी थी दोखम तिब्बतन फाउंडेशन की भूमि

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में भू माफियाओं के हौंसले कितने बुलंद है इसकी बानगी पिछले दिनों पटेलनगर थाना क्षेत्र में सामने आयी है। यहां दोखम तिब्बतन फाउंडेशन की भूमि पर भू माफियाओं द्वारा कब्जा कर लिया गया। पीड़ित पक्ष ने पुलिस से शिकायत की गयी तो पुलिस भी टालमटोल करने लगी। फांउडेशन के लोगों द्वारा जब डीजीपी के संज्ञान में मामला लाया गया तब कहीं जाकर भूमाफियाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ और तत्कालीन आईएसबीटी चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया गया था।

बता दें कि फरवरी माह में दोखम तिब्बतन फांउडेशन के प्रतिनिधियों द्वारा डीजीपी अशोक कुमार से मुलाकात कर बताया गया कि उनके फांउडेशन की आरकेडिया ग्रांट क्षेत्र में भूमि है। जिस पर भूमाफियों द्वारा कब्जा कर लिया गया है। साथ ही भूमाफियाओं द्वारा भूमि पर रखे गये चौकीदार व उसकी पत्नी के साथ दुरव्यवहार भी किया गया है। मामले में डीजीपी द्वारा एसएसपी दून को तत्काल मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गये। जिसके बाद पुलिस ने कार्यवाही की और तत्काल सुरेश चन्द्र माथुर एंव उनके पुत्र शिंवाग माथुर, विवेक और अन्य सहयोगियों के खिलाफ पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया। मुकदमा दर्ज होने के बाद भी भूमाफिया सुरेश चन्द्र माथुर, शिंवाग माथुर व उनके सहयोगियों के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही न किये जाने पर तत्कालीन आईएसबीटी चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर किया गया था।

मुकदमों के निपटारे में तेजी की जरूरत

अनूप भटनागर

शीर्ष अदालत के कड़े रुख के बावजूद उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर विधानसभा के चुनावों के दौरान संदिग्ध छवि वाले ऐसे व्यक्तियों को उम्मीदवार बनाने का सिलसिला जारी रहा, जिनके खिलाफ गंभीर अपराधों के आरोप में मुकदमें लंबित हैं। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को राजनीतिक दल का प्रत्याशी बनाने का एक ही मकसद नजर आता है और वह है किसी न किसी तरह सत्ता हासिल करना और स्थानीय स्तर पर अपना दबदबा कायम रखना।

न्यायपालिका ने देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को धन और बाहुबल के वर्चस्व से मुक्त कराने के इरादे से समय-समय पर अनेक फैसले दिए। इनमें दो साल से अधिक की सज़ा पाने वाले पीठासीन सांसदों और विधायकों की सदस्यता तत्काल प्रभाव से खत्म होने जैसी न्यायिक व्यवस्था भी शामिल रही है। अब ऐसे दोषी नेताओं को पूरी उम्र के लिए चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित करने की मांग बढ़ रही है और इसे लेकर उच्चतम न्यायालय में 2016 से एक जनहित याचिका भी लंबित है।

इस याचिका पर न्यायालय लगातार महत्वपूर्ण व्यवस्था दे रहा है और उसके ही हस्तक्षेप का नतीजा है कि राज्यों में इन माननीयों के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों का भी गठन हुआ है। लेकिन, विशेष अदालतों में लंबित मुकदमों की तेजी से सुनवाई नहीं होने की वजह से ऐसे मुकदमों की संख्या बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित 4984 मुकदमों में से 1899 मुकदमें पांच साल से भी ज्यादा समय से लंबित हैं।

कानून निर्माताओं के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों का तेजी से निपटारा नहीं होने की वजह से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों की भूमिका बढ़ती जा रही है। वर्तमान और पूर्व सांसदों-विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों की तेजी से सुनवाई और ऐसे मामलों में एक साल के भीतर फैसला सुनिश्चित करने के शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप से विशेष अदालतें भी गठित की गईं। लेकिन ऐसा लगता है कि शीर्ष अदालत के प्रयासों को अपरिहार्य कारणों से अपेक्षित सफलता नहीं मिल रही है।

विडंबना है कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों की संख्या में वृद्धि हो रही है। न्यायालय को सौंपी गई एक रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर, 2018 में माननीयों के खिलाफ 4110 मुकदमें लंबित थे जो अक्तूबर, 2020 में बढ़कर 4,859 हो गए थे। यह इस बात का संकेत है कि संसद और विधानमंडलों में ऐसे व्यक्तियों की संख्या बढ़ रही है, जिनके खिलाफ अदालतों में आपराधिक मुकदमें लंबित हैं। उच्चतम न्यायालय की सख्ती के बावजूद राजनीतिक दल ऐसे व्यक्तियों को टिकट देने में तरजीह दे रहे हैं, जिनके खिलाफ आपराधिक मुकदमें लंबित हैं। दलील यह है कि ऐसे उम्मीदवारों को अभी तक अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है। स्थिति यह रही कि इन राज्यों, विशेषकर उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों में आरोप-प्रत्यारोपों के दौरान होड़ लगी रही कि प्रतिद्वंद्वी की शर्ट से ज्यादा साफ हमारी शर्ट है। चुनाव में आपराधिक छवि वाले व्यक्तियों को टिकट देने की एक वजह ऐसे तत्वों के खिलाफ लंबित मुकदमों की तेजी से सुनवाई नहीं होना है।

स्थिति यह है कि सांसदों-विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों की प्रगति पर निगाह रख रही शीर्ष अदालत से बार-बार गुहार लगाई जा रही है कि माननीयों के खिलाफ आपराधिक मुकदमों की सुनवाई तेज की जाए। साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे इन माननीयों के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों को अपनी जांच तेजी से पूरा करना सुनिश्चित कराया जाए।

केन्द्रीय जांच ब्यूरो के पास सांसदों और विधायकों की संलिप्तता वाले 37 मामलों की जांच लंबित है। इनमें 17 पीठासीन और पूर्व सांसद तथा 17 वर्तमान और पूर्व विधायक जांच के घेरे में हैं। इसी तरह, प्रवर्तन निदेशालय के पास माननीयों से संबंधित 48 मामलों की जांच लंबित थी।

लेकिन अब केन्द्र और राज्यों के बीच चल रही खींचतान की वजह से भी केंद्रीय जांच एजेंसियों को अपना काम तेजी से निपटाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम आठ राज्यों ने डीएसपीई कानून की धारा छह के तहत केंद्रीय जांच ब्यूरो को अपने यहां जांच के लिए पहले दी गई सामान्य सहमति वापस ले ली है। इसका नतीजा यह है कि भ्रष्टाचार के 150 से अधिक मामलों की जांच अधर में लटक गई है।

महाराष्ट्र, पंजाब, छत्तीसगढ़, राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल, केरल और मिजोरम द्वारा सहमति वापस लेने के कारण इन राज्यों को जांच के लिए भेजे गए 150 से अधिक मामले लंबित हैं।

उम्मीद की जानी चाहिए कि देश की राजनीति को आपराधिक तत्वों से मुक्त कराने के प्रयासों में राज्य सरकारें भरपूर सहयोग करेंगी और आवश्यकता पड़ने पर विशेष अदालतों की संख्या भी बढ़ाएंगी। तभी वर्तमान और पूर्व सांसदों-विधायकों के खिलाफ लंबित मुकदमों का तेजी से निपटारा हो सकेगा।

ऋतस्य पथि वेधा अपायि श्रिये मनांसि देवासो अक्रन्।
दधानो नाम महो वचोभिर्वपुर्दृशये वेन्यो व्यावः।।
(ऋग्वेद ६-४४-८)

जो ज्ञानी व्यक्ति सत्य के मार्ग पर चलता है उसका और उसके ज्ञान का रक्षण किया जाना चाहिए। जो बुद्धिमान हैं उन्हें अपना मन संस्कृति के सौंदर्य में भी लगाना चाहिए। ज्ञान से शत्रुओं को झुकाने वाला बल प्राप्त होता है और यह ही बल मनुष्य को प्रभु के समीप ले जाता है।

The wise man who walks on the path of truth, he and his knowledge should be protected. Those who are intelligent should also direct their minds towards the beauty of culture. With knowledge, one gets the power to bow down the enemies, and it is this power that brings man closer to the Lord.
(Rig Veda 6-44-8)

बस पलटने से 15 यात्री हुए घायल

उधमसिंहनगर (हमारे संवाददाता)। सड़क दुर्घटना में आज सुबह बस पलटने से 15 यात्री घायल हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बस को कब्जे में लेते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बस चालक फरार है जबकि दुर्घटना का कारण चालक द्वारा मोबाइल पर बाते करना बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह एक बस 50 यात्रियों को लेकर जा रही थी। इस दौरान जब बस सितारगंज के समीप पहुंची तो अचानक चालक बस से नियंत्रण खो बैठा और बस पलट गयी। जिसमें सवार लगभग 15 यात्री घायल हो गये। दुर्घटना की जानकारी पुलिस को मिली तो पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बस को कब्जे में ले लिया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। बस चालक फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। वहीं दुर्घटना का कारण बस चलाते वक्त चालक का फोन पर बातें करना बताया जा रहा है।

मारपीट के मामले में पुलिस ने दर्ज की क्रास रिपोर्ट

देहरादून (संवाददाता)। मारपीट, गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहन बस्ती जाखन निवासी विनोद राणा ने अपने पडोसी अर्जुन सहित पांच लोगों के खिलाफ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देना तथा दूसरी तरफ से विनोद राणा व उसके दो अन्य के खिलाफ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिथौरागढ़ में दवा प्रतिनिधियों ने प्रदर्शन किया

पिथौरागढ़ (आरएनएस)। विभिन्न मांगों को लेकर दवा प्रतिनिधियों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। दवा प्रतिनिधियों ने श्रम कानूनों को कमजोर करने पर नाराजगी जताई। साथ ही उन्होंने विभिन्न कंपनियों और उद्योगपतियों पर कोरोना के नाम पर श्रमिकों का उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। कहा इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रविवार को संगठन के अध्यक्ष भुवन पांडे के नेतृत्व में दवा प्रतिनिधि गांधी चौक में एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और बाद में धरने में बैठ गए।अध्यक्ष पांडे ने कहा उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने को सरकार श्रम कानूनों को कमजोर करती जा रही है। यह श्रमिकों के हित में नहीं है। कहा कई दवा कंपनियों ने कोरोना आर्थिक संकट का हवाला देकर श्रमिकों के वेतन में भारी कटौती की है। कई श्रमिकों को तो नौकरी से ही हटा दिया गया है। पांडे ने ऐसे कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके लाइसेंस निरस्त करने को कहा है। प्रदेश सचिव पीके मिश्रा का कहना है सरकार श्रमिकों के लिए कार्य अवधि और न्यूनतम वेतन जारी करें। ताकि श्रमिकों को उत्पीड़न बंद हो सके। कोषाध्यक्ष गंभीर भंडारी ने कहा दवा कंपनियां कोरोना के नाम पर शोषण बंद करें। दवा प्रतिनिधियों ने आगामी २६ मार्च को देश भर में हड़ताल करने का निर्णय लिया है।

अधिकारी दायित्व निर्वहन के प्रति सजग रहें: सीईओ

अल्मोड़ा (आरएनएस)। अल्मोड़ा शिक्षा विभाग की ओर से विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान मुख्य शिक्षा अधिकारी सुभाष भट्ट ने सभी दायित्व के निर्वहन के प्रति सजग रहने के निर्देश देते हुए कहा कि लंबित प्रकरणों का समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में खंडशिक्षा व उप शिक्षा अधिकारियों से वार्षिक कार्य योजना की जानकारी ली। इसके साथ ही एजुकेशनल पोर्टल, मासिक गृह कार्य, वार्षिक परीक्षा परिषदीय परीक्षा, छात्र–छात्राओं के पाठ्येतर गतिविधियों, विद्यालयों के सौंदर्यीकरण, कम्प्यूटर, फर्नीचर, शौचालय निर्माण, सेवानिवृत्त लाभों आदि की जानकारी ली। इस मौके पर यहां जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक सत्यनारायण, विधि अधिकारी हेमंत जोशी, बीईओ चंदन सिंह बिष्ट, प्रकाश सिंह जंगपांगी, पुष्कर लाल टम्टा, श्याम सिंह बिष्ट, सुरेश चंद्र आर्या, हिमांशु नौगाई, डीएल आर्या, तारा सिंह, भारत जोशी, कमल सिंह कठायत, एमडी पंत समेत कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

निलंबित दुकानों के कार्डधारकों को दूसरे कोटों में किया संबद्ध

रुद्रपुर (आरएनएस)। निलंबित की गयी राशन की दुकान के कार्डधारकों को नजदीकी सरकारी राशन दुकानों में संबद्ध किया गया है। पूर्ति निरीक्षक डीएस धामी ने कहा निर्मलनगर के सुरेश मंडल की दुकान अनियमितता के चलते निलंबित की गयी है। सुरेश की दुकान में निर्मलनगर के हरप्रसाद और पिपलिया के राजेंद्र प्रसाद की दुकान पहले से संबद्ध थी। सुरेश की दुकान निलंबित होने के बाद पिपलिया के कार्डधारकों को बसगर में गुरुमुख सिंह की दुकान में संबद्ध किया है। जबकि सुरेश मंडल और हरप्रसाद की दुकान के कार्डधारकों को शक्तिफार्म नं.५ के विमल मिस्त्री की दुकान में संबद्ध किया है। कहा निलंबित दुकान के कार्डधारकों को इसी माह में संबद्ध की गयी दुकान से राशन मिलेगा।

पानी रिसाव के चलते बढ़ी परेशानी

बागेश्वर (आरएनएस)। कपकोट नगर पंचायत कपकोट के भराड़ी वार्ड नंबर एक में एक हफ्ते से पानी का रिसाव हो रहा है। इससे वहां पर गड्ढा बन गया है। अब जमे पानी के मच्छर आदि पैदा होने लगे हैं। इतना ही नहीं रिसाव के चलते लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। लोगों ने जल्द समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जल संस्थान लोगों का पानी देने और लीकेज पानी बंद करने में सफल नहीं हो रहा है। इसका खामियाजा यहां के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। रिसाव के चलते जहां लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है, वहीं तालाब में पानी जमा हो रहा है। इन तालाबों में मच्छर आदि पैदा हो रहे हैं। इससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। लोगों ने जल संस्थान से पानी का रिसाव दूर करने की मांग की है। इधर जल संस्थान के एई कैलाश चंद जोशी ने कहा कि आज ठीक कर दिया जाएगा।

'सरकार से प्रतापनगर को जिला बनने की मांग की जाऐगी'

नई टिहरी (आरएनएस)। टिहरी बांध की झील बनने के बाद से प्रतापनगर के लोग प्रतापनगर को अलग जिला बनाने की मांग उठाने लगे थे, टिहरी बांध बनने के बाद से प्रतापनगर की दूरी नई टिहरी जिला मुख्यालय से अधिक बढ़ गई थी। बीते एक दशक पूर्व प्रतापनगर के लोगों द्वारा अलग जिला बनाने की मांग को लेकर लंबगांव में आंदोलन चलाया गया। जिसके बाद तत्कालीन गढ़वाल आयुक्त सुभाष कुमार ने लबगांव जाकर क्षेत्र की विभिन्न मांगों के निराकरण करने के साथ ही प्रतापनगर को अलग जिला बनाने के बारे में शासन को अवगत का लोगों को अश्वासन दिया था, जिस पर प्रतापनगर के लोगों ने अपना आंदोलन स्थगित कर दिया। एक दशक बीते जाने के बाद भी शासन स्तर से प्रतापनगर को जिला बनने की किसी प्रकार की कोई कवायद शुरू नहीं हो पाई है। राज्य आंदोलनकारी देवी सिंह पंवार, गम्भीर सिंह पंवार, अमर सिंह आदि लोगों ने बताया कि जिला बनाने की मांग को लेकर उन्होंने पूर्व में लंबगांव बाजार में आमरण अनशन किया था।

लॉ कालेज के बाहर छात्रा की हत्या प्रकरण

पुलिस पता नहीं लगा सकी कि आदित्य को तमंचा किसने दिया था?

संवाददाता

देहरादून। लॉ कालेज के बाहर छात्रा की गोली मारकर हत्या प्रकरण में चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस इस बात का पता नहीं लगा सकी कि आरोपी आदित्य को तमंचा किसने दिया था या वह तमंचा कहां से लाया था। यह काफी चिन्ता का विषय है।

उल्लेखनीय है कि तीन मार्च की सांय सिद्धार्थ लॉ कालेज के बाहर बी फार्म के छात्र आदित्य ने अपनी सहपाठी वंशिका की गोली मारकर हत्या कर दी थी तथा तमंचा वहीं फेंक कर फरार हो गया था। चार मार्च को पुलिस ने आदित्य को रायपुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया था।

गिरफ्तारी के बाद आदित्य ने पुलिस को कहानी सुनायी और बताया कि पैर छूकर माफी मांगने की घटना से उसमें आक्रोश पनप गया और उसने घर में रखे तमंचे से वंशिका की हत्या कर दी। यहां यह बात सामने आती है कि आदित्य के पास तमंचा कहां से आया? सोचने वाली बात है कि बचपन से दून में रहने वाले बी फार्म के छात्र के पास आखिर तमंचा कहां से आ गया। इस बारे में पुलिस अधिकारियों ने भी जानने की कोशिश नहीं की। जब आदित्य जैसे छात्र के पास तमंचा मिल सकता है तो फिर इस बात का भी अंदाजा लगाना मुश्किल होगा कि कितने अन्य आदित्य तमंचे लेकर घुम रहे होंगे। किसी ने तो उसको तमंचा बेचा ही होगा और उक्त व्यक्ति ने कितने तमंचे शहर में बेचे होंगे इसका अंदाजा लगाना मुश्किल होगा। क्योंकि पुलिस ने तो इस बात पर कोई दिलचस्पी दिखायी ही नही है कि आखिर तमंचा आया कहां से?

यह बात अपने आपमें चिन्ता का विषय है कि शहर में कौन है जो तमंचे बेच रहा है इस बात पर पुलिस अधिकारियों को भी मंथन करना होगा कि आखिर अपराध को कौन बढावा दे रहा है। क्योंकि अभी एक घटना हुई है ऐसी ही दूसरी घटना की भी पुर्नावत्ति हो सकती है। अगर पुलिस विभाग ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया तो इसके परिणाम घातक साबित होंगे। जब एक छात्र एक मामूली सी बात पर तमंचा निकाल सकता है तो अन्य क्यों नहीं? यहां यह बात भी सामने आती है कि अगर आदित्य के पास तमंचा नहीं होता तो क्या यह घटना हो सकती थी? इस तरफ ध्यान देकर पुलिस विभाग को यह पता लगाना जरूरी हो जाता है कि आखिर आदित्य के पास तमंचा कहां से आया?

वेतन भुगतान की मांग को रोडवेज निगम के खिलाफकार्मिकों का प्रदर्शन

अल्मोड़ा (आरएनएस)। अल्मोड़ा जनवरी माह के वेतन का भुगतान न होने से रोडवेज कर्मियों में प्रबंधन के खिलाफ हल्ला बोल दिया है। रविवार को भी रोडवेज कर्मचारियों ने डिपो कार्यालय में निगम प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। जल्द वेतन का भुगतान नहीं होने पर पूर्ण रूप से कार्यबहिष्कार की चेतावनी दी। रविवार को भी रोडवेज कर्मचारियों ने डिपो कार्यालय में निगम प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। साथ ही दो घंटे कार्यबहिष्कार पर रहे। कर्मचारियों ने कहा निगम प्रबंधन समय पर वेतन का भुगतान नहीं कर रहा है। आलम यह है कि फरवरी बीत जाने के बाद भी अब तक कर्मचारियों को जनवरी के वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। इससे कर्मचारी परेशान हैं। वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। कर्मचारियों ने जनवरी के वेतन का भुगतान करने समेत हर माह नियमित समय पर वेतन देने की मांग की। यहां शाखा अध्यक्ष गोविंद प्रसाद टम्टा, शाखा मंत्री रामदत्त पपनै, रोहित, जीवन, सुरेश नेगी, आनंदी शुक्ला आदि रहे।

अवैध कनेक्शन के खिलाफ जल संस्थान सख्त

बागेश्वर (आरएनएस)। मुफ्त का पानी पीने वालों के खिलाफ जल संस्थान ने सख्त रुख अपना लिया है। अभियान चलाकर अवैध कनेक्शनों का काटना शुरू कर दया है। पहले दिन १२ से अधिक कनेक्शन काटे गए। इतना ही नहीं इन लोगों से साढ़े सात हजार रुपये का हर्जाना भी वसूला गया। विभाग की इस कार्रवाई से मुफ्त का पानी पीने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। मालूम हो कि साल भर मुफ्त का पानी पीने वालों पर मार्च लगते ही गाज गिरनी शुरू हो जाती है। इसी क्रम में इस बार भी जल संस्थान सख्त हो गया है। रविवार की छुट्टी के बावजूद विभाग ने नगर पंचायत कपकोट के भराड़ी, बमसेरा, खाईबगड़, ऐठाण में अभियाल चलाकर १२ से अधिक कनेक्शन काटे। इन लोगों से सात हजार, ४०० रुपये का हर्जाना भी वसूला। जल संस्थान के एई कैलाश जोशी ने बताया कि पहले दिन गोपाल सिंह, हयात सिंह, जगत सिंह, लक्ष्मण सिंह, चंचल सिंह, प्रेम पुरी गोस्वामी के अलावा खाद्यान्न गोदाम के अवैध कनेक्शन काटे गए। यह अभियान पूरे महीने भर चलेगा। किसी को भी मुफत का पानी नहीं दिया जाएगा। जिसने बिल जमा नहीं किए उनसे बिल भी जमा करवाया जाएगा। बिल जमा करने के बाद ही कनेक्शन जोड़ने की प्रक्रिया चलेगी। इसकी फीस अलग से ली जाएगी। अभियान दल में लाइनमेन शेर सिंह कोरंगा, दलीप सिंह कपकोटी, राजेंद्र सिंह कपकोटी तथा दयाल कुमार आदि शामिल हैं।

कनालीछीना में सीओ ने लोगों की समस्याएं सुनीं

पिथौरागढ़ (आरएनएस)। कनालीछीना थाने का सीओ महेश चंद्र जोशी ने भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने थाने में हथियारों, आपदा उपकरणों के साथ ही कार्यालय अभिलेखों को जांच और हिस्ट्रीशीटरों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पुलिस जवानों को थाने व उसके आसपास सफाई के निर्देश दिए। साथ ही अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम को अभियान चलाने को कहा। बाद में उन्होंने व्यापारियों और आमजन के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। लोगों ने प्रमुखता से क्षेत्र की समस्याओं को सीओ के सम्मुख रखा।

वर्क संस्था नें बांटे कढ़ी व छोटे चावल के पैकेट

संवाददाता

देहरादून। वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नॉलेज के कार्यकर्ताओं ने जामा मस्जिद के सामने कढी चावल बांटे।

आज यहां वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नॉलेज के कार्यकर्ताओं ने जामा मस्जिद के सामने पलटन बाजार में सभी आम जन मानस को कढ़ी चावल व छोले चावल के पैकेट बांटे और पानी की बोतलों का वितरण किया। इसको भारी संख्या में लोगों ने खुशी के साथ ग्रहण किया। विदित रहे वर्क ट्रस्ट इस प्रकार के सामाजिक कार्य देश हित व समाज हित में काफी समय से कर रहा है और जनता को फायदा पहुंचाने का हर संभव कार्य कर रहा है वर्क ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने सभी से इस प्रकार के कार्य करने और इस प्रकार के कार्यों में

जिसमें देश, समाज व गरीब ,असहाय लोगों का भला हो, हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई एकता बनी रहे। अखंड भारत बने और भारत विश्व गुरु बन कर उभरे इस तरह के आयोजनों में भाग लेने का आह्वान किया और कहा कि हम सब मिलजुल कर भारत को मजबूत बना सकते हैं। इसकी अखंडता और एकता को मजबूत कर सकते हैं हम सब को आगे आना चाहिए और देश को बर्बाद कर रही ताकतों को परास्त कर देश को तरक्की देने वाले कार्य करने चाहिए। इस अवसर पर वर्क ट्रस्ट के मोहम्मद दानिश अफजल, इल्यास कुरेशी,आरिफ वारसी, फैजान अहमद, जुनैद अहमद, राहुल सोनकर, मास्टर उजैर वारसी,विनय, सागर, इशांत,ओम आदि उपस्थित रहे।

स्वयं में होने का अर्थ अच्छा स्वास्थ्य

हृदयनारायण दीक्षित

योग स्वयं के रूपांतरण का विज्ञान है. अन्त:करण की अनावश्यक उथल्रपुथल को शांत कर चित्त को प्रशांत बनाने का भारतीय करिश्मा. यह शारीरिक व्यायाम नहीं. सांसों को भीतर लेने और बाहर करने का प्राणायाम भी नहीं. शारीरिक आसन और प्राणायाम इसके अंग हैं और ध्यान्रधारणा भी. आसन और प्राणायाम योग की भूमि है. वे इधर- उधर भाग रहे चित्त को स्वयं में स्थिर करने में सहायक हैं. इससे मनुष्य 'स्वस्थ' होता है. यहां स्वस्थ का अर्थ निरोगी होना ही नहीं है. स्वस्थ बड़ा प्यारा शब्द है और इसका अर्थ है्स्वयं में होना. भारत के प्राचीन दर्शन परिवार में 'योग दर्शन' प्रमुख जीवन दृष्टि है. प्रकृति बहुरूपिया है. पृथ्वी पर अनेक जीव, वनस्पति, रूप हैं. सौर मंडल के अनेक रहस्य अज्ञात हैं. पृथ्वी परिवार भी अनंत रहस्यों से भग्रपूरा है. भारतीय दर्शन चिंतन में प्रकृति रहस्यों के प्रति गहरी जिज्ञासा रही है. पूर्वजों ने समूचे अस्तित्व को एकीकृत देखा है. प्रकृति का कोई भी भाग स्वतंत्र इकाई नहीं है. प्रकृति की सभी इकाइयां परस्परावलंबन में हैं. सब मिलकर अस्तित्व एक है. जैसे किसी पदार्थ के छोटे से छोटे कण में भी पदार्थ के मूल गुण मौजूद रहते हैं, वैसे ही अस्तित्व की प्रत्येक इकाई में पूरे अस्तित्व के गुण्रधर्म उपस्थित रहते हैं. अस्तित्व को पूर्वजों ने ब्रह्म कहा है. ब्रह्म सतत् विस्तारमान संपूर्णता है.

इसके प्रत्येक लघुतम अंश में भी ब्रह्म की ही सत्ता है. हम मनुष्य इसी संपूर्णता का अंश हैं. जो ब्रह्मण्ड में है, वही पिंड में भी है. हमारी कठिनाई है स्वयं को इकाई देखना, समझना. योग विज्ञान इकाई में अनंत का बोध कराता है. हम हैं भी अनंत. चेतना के तल पर सदा से हैं. रूप और काया में प्रतिपल परिवर्तनीय हैं. योग रूप और काया के भीतर जाने की अन्तर्यात्रा है.

योग विज्ञानी पतंजलि ने योग को 'चित्तवृत्ति' का निरोध कहा है. स्वयं में होना संपूर्णता में होना है. हमारा 'स्व', हमारा संभवन अस्तित्व का भाग है. स्वानुभूति में स्वयं के अन्तस् में संपूर्णता का बोध पाना दुख मुक्ति देता है. इकाई होना दुख है, अनंत होना सुख है. छान्दोग्य उपनिषद् के एक प्रसंग में सनत् कुमार से नारद ने पूछा सुख क्या है?

सनत् कुमार ने उत्तर दिया संपूर्णता की अनुभूति ही सुख है, इससे कम सर्वत्र दुख ही दुख है.आधुनिक दुनिया भारत की ऐसी अनुभूतियों से कम परिचित है. विवेकानंद ने भारतीय अनुभूति के दर्शन से दुनिया का परिचय कराया तो विदेशी तत्ववेत्ता भी भौचक थे. यूनेस्को ने कुछ बरस पहले ऋग्वेद को अन्तरराष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था. भारत के अधिकांश लोग ऋग्वेद के संसारवाद, भौतिकवाद, आनंदवाद और उल्लास काव्य से संवाद नहीं बनाते. उसे धर्म आस्था ग्रंथ मानकर छोड़ देते हैं. नरेन्द्र मोदी की सरकार के प्रयास से भारत के योग विज्ञान को अन्तरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा मिली.

गर्भधारण के समय तनाव, शिशु पर पड़ सकता है बुरा प्रभाव

एक अध्ययन में यह बात सामने आयी है कि यदि गर्भधारण के समय माताएं तनाव में रहती हैं तो, प्रसव के वक्त उनके बच्चे का वजन सामान्य से कम होता है।

जन्म के वक्त बच्चों के कम वजन और तनाव के बीच संबंध स्थापित करने वाला यह पहला अध्ययन है।

अमेरिका में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि सुबह उठने पर तनाव झेलने पर ज्यादातर लोगों के शरीर में कोर्टिसोल तनावग्रस्त होने पर शरीर की ओर से स्रावित हार्मोन की मात्रा ज्यादा होती है और वह स्तर दिन भर में कम होता है।

उनका कहना है, ऐसे कुछ लोगों में सुबह कोर्टिसोल का स्तर तो कम होता है और दिन भर में उसका क्षरण सामान्य से कम मात्रा में होता है।

इस नए अध्ययन में 142 महिलाओं का विशलेषण किया गया है जो कम्युनिटी चाइल्ड हेल्थ नेटवर्क द्वारा किए जा रहे विस्तृत अध्ययन का हिस्सा थीं। अध्ययन में यह देखा जा रहा था कि नए अभिभावकों और उनके बच्चों पर तनाव का क्या असर होता है।

उन्होंने बताया, अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि तनाव में रहने वाली महिलाओं में सामान्य से कम वजन वाले बच्चों को जन्म देने की आशंका रहती है। यह पहला साक्ष्य है कि गर्भधारण से पहले भी माता में कोर्टिसोल का स्तर बच्चे के वजन पर प्रभाव डालता है।

विश्वविद्यालय के क्रिस्टिन गुआर्डिनो ने बताया, 'हमने पाया कि जो कोर्टिसोल पैटर्न जो कॉर्निक तनाव के साथ जुड़ा है, वही जन्म के वक्त कम वजन वाले बच्चों के साथ भी है।' (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गले लगाने के भी हैं कई फायदे

आलिंगन अर्थात गले लगाना आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है और स्वास्थ्य लाभ से भी ज़्यादा यह आपके मानसिक स्वास्थ्य को सही रखता है। अगर आप उदास हैं और अगर आपका कोई अपना आपको आलिंगन में लेता है तो आपको अच्छा लगता है। आलिंगन इस हिसाब से भी अच्छा है कि यह आपका रक्तचाप काम करने में भी मदद करता है। यह आपके डर को कम करता है और आलिंगन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह आपके हृदय के लिए एक अच्छी गतिविधि है।

अगर आप आलिंगन के लाभ के ऊपर ध्यान देंगे तो आप आश्चर्यचकित हो जायेंगे। इसलिए आप जो भी कर रहे हों उसको किनारे करिये, कोई अपना बनाइये जिसे आप आलिंगन में ले सकें और स्वस्थ जीना शुरू करें। यहाँ पर आलिंगन के 12 लाभ के बारे में बताया गया है:

हृदय के लिए अच्छा है किसी व्यक्ति को आलिंगन में लेने से ज़्यादातर ठण्ड के समय में आपका शरीर गर्म रहता है। आलिंगन में लेने से आपका हृदय एक पल के लिए धड़कना बंद करता है जो कभी कभी फायदा पहुंचाता है क्यूंकि इससे हृदय की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

डर से निजात दिलाता है आलिंगन और स्पर्श कई बार मरने के डर को कम करता है। शोध से पता चलता है कि किसी घनिष्ठ वस्तु को आलिंगन में लेने से एक व्यक्ति अपने अस्तित्व सम्बन्धी डर से मुक्ति पाता है।

रक्तचाप को कम करता है: आलिंगन आपके रक्तचाप को भी नियंत्रण में रखता है। अगर आप उच्च रक्तचाप से ग्रसित हैं तो तुरंत किसी घनिष्ट को आलिंगन में लें। इससे आपको काफी फायदा मिलेगा।

आलिंगन में यह माद्दा है कि यह चुटकी में थकान को दूर भगाता है। आलिंगन से दिमाग शांत होता है और आपका ध्यान उस चीज़ से हटता है जिसे लेकर आप परेशान हैं।

आलिंगन आपकी ज़िंदगी में सकारात्मकता लाता है: आलिंगन में लेने से आपकी सोच सकारात्मक बनती है क्यूंकि आपके दिमाग में सकारात्मक प्रतिक्रिया होती है। यह आलिंगन का मुख्य मानसिक लाभ है।

आलिंगन झटपट बूस्ट करता है: आलिंगन से आपको झटपट बूस्ट मिल जाता है। यह ऑक्सीटोसिन की मात्रा को बढ़ाता है जिससे अकेलेपन का एहसास दूर होता है।

सही मूड बनाता है: आलिंगन का एक लाभ यह भी है कि यह आपके सेरोटोनिन की मात्रा को बढ़ाता है जो आपके मूड को अच्छा कर देता है और खुशियां लाता है।

दिमाग को शांत रखता है: आलिंगन से दिमाग शांत रहता है। अगर आपको किसी चीज़ की चिंता है तो अपने चाहने वाले या फिर अपने पालतू पशु को आलिंगन में ले लें, आपका दिमाग तुरंत शांत हो जाएगा।

आलिंगन से मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं: आलिंगन आपके शरीर की मांसपेशियों को रिलैक्स करता है। आलिंगन शरीर के तनाव को दूर करता है और यह आपके शरीर के दर्द को भी दूर करता है।

शब्द सामर्थ्य - 59

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

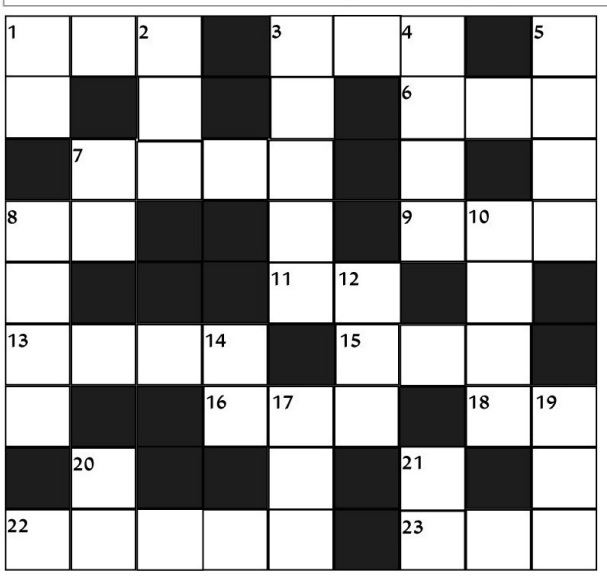

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 58 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

वेब सीरीज इनविजिबल वुमन में सुनील शेट्टी के साथ नजर आएंगी ईशा देओल

सुनील शेट्टी पिछले काफी समय से वेब सीरीज इनविजिबल वुमन को लेकर सुर्खियों में हैं। उनका चर्चा में रहना भी बनता है, क्योंकि इसके जरिए शेट्टी अपना ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। अब इस सीरीज से अभिनेत्री ईशा देओल जुड़ गई हैं। निर्माताओं ने उनके नाम की घोषणा कर दी है। खुद ईशा ने भी सीरीज से अपना एक पोस्टर शेयर कर सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को यह जानकारी दी है।

ईशा ने कहा, यह एक शानदार सीरीज है और एक अलग जॉनर है। कहानी में रहस्य, साजिश और ऐतिहासिकता के अंश हैं। सुनील उर्फ अन्ना के साथ फिर काम करना बहुत खुशी की बात है। शूटिंग शुरू हो गई है और बहुत मजा आ रहा है। इंस्टाग्राम पर सीरीज से अपना लुक शेयर कर ईशा ने लिखा, जल्द ही आपके लिए एक्शन पैक्ड सीरीज इनविजिबल वुमन लेकर आ रहे हैं। यह सीरीज यूडली फिल्म्स के बैनर तले बन रही है।

ईशा और सुनील एलओसी: करगिल, कैश और वन टू थ्री जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। पहली बार दोनों किसी सीरीज में साथ दिखेंगे। सुनील ने इनविजिबल वुमन में ईशा का स्वागत कर उनके साथ काम करने को लेकर खुशी जाहिर की है।

ईशा की पहली वेब सीरीज अजय देवगन अभिनीत रूद्र है। पिछले साल इस सीरीज से जुड़कर ईशा ने कहा था, रूद्र मेरी पहली वेब सीरीज है और वो भी इतने शानदार अभिनेता अजय देवगन के साथ, जो कि फिल्मों में मेरे को-स्टार रह चुके हैं। ईशा ने कहा था, मैं इस सीरीज से जुड़कर बेहद खुश हूं। मैं किसी ऐसे ही प्रोजेक्ट से जुड़ना चाहती थी, जिससे मुझे बतौर एक्टर कुछ नया एक्सप्लोर करने का मौका मिले।

ईशा पिछले साल शॉर्ट फिल्म एक दुआ में दिखी थीं। इसमें उनके अभिनय की खासी तारीफ हुई थी। महिला भ्रूण हत्या को बड़ी ही बेबाकी से बताने वाली एक दुआ से बतौर प्रोड्यूसर उभरकर सामने आईं ईशा को इसके लिए आइकॉनिक परफेक्ट एचिवर एक्टर-प्रोड्यूसर अवॉर्ड से नवाजा गया था। ईशा को मिले इस सम्मान और उनके चाहनेवालो के प्यार से ये बात साबित हो गई कि वह बॉलीवुड में दूसरी पारी खेलने के लिए पक्की हो गई हैं।

2012 में बिजनेसमैन भरत तख्तानी से शादी के बाद ईशा की फिल्मों में सक्रियता काफी कम हो गई थी। अपनी बेटियों राध्या और मियारा के जन्म के बाद ईशा पूरा वक्त बेटियों के साथ बिता रही थीं। बच्चियों की देखभाल करने के लिए वह फिल्मों से दूर रहीं। अब ईशा की बेटियां इतनी बड़ी हो गई हैं कि वह दोबारा फिल्मों में काम करना शुरू कर सकती हैं। इन दिनों वह कई फिल्मों की कहानियां पढ़ रही हैं।

इस साल के अंत में होगी वेब सीरीज द फैमिली मैन 3 की शूटिंग

वेब सीरीज द फैमिली मैन लोकप्रियता के कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। इसका दूसरा सीजन भी दर्शकों और समीक्षकों को बेहद पसंद आया। द फैमिली मैन 2 आईएमडीबी पर दुनिया की चौथी सबसे लोकप्रिय सीरीज बन चुकी है। दोनों सीजन को मिले शानदार रिस्पॉन्स के बाद अब इसके तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। खबर है कि नए सीजन की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी।

एक सूत्र ने बताया कि निर्माता द फैमिली मैन 3 की शूटिंग इस साल के अंत में शुरू करने वाले हैं। दूसरे सीजन के क्लाइमैक्स ने तीसरे सीजन का हिंट दे दिया था। निर्देशक जोड़ी राज और डीके ने तीसरे सीजन की कहानी पर काम करना शुरू कर दिया था। वे जल्द ही स्क्रिप्टिंग का काम पूरा करेंगे। सीरीज में नए सहायक कलाकारों की भी एंट्री होगी। फाइनल ड्राफ्ट तैयार करने के बाद कास्टिंग पर काम किया जाएगा।

राज और डीके की जोड़ी आजकल शाहिद कपूर अभिनीत वेब सीरीज फेक्स और गुलंकद के काम में व्यस्त हैं। वे सामंथा रुथ प्रभु को लेकर भी एक सीरीज पर काम कर रहे हैं, वहीं दोनों राजकुमार राव को लेकर भी एक सीरीज बना रहे हैं।

मनोज बाजपेयी ने द फैमिली मैन 2 में श्रीकांत तिवारी के रूप में जबरदस्त वापसी की थी। जासूसी पर आधारित इस सीरीज में साउथ की अभिनेत्री सामंथा अक्किनेनी भी नजर आईं और उन्होंने अपनी शानदार अदाकारी से सबका दिल जीत लिया। सामंथा ने अपने किरदार राजी को बखूबी पर्दे पर उतारा था। प्रियामणि, शारिब हाशमी, शरद केलकर और दर्शन कुमार ने इस सीरीज में वापसी की थी, वहीं सनी हिंदुजा और सीमा बिस्वास भी दूसरे सीजन में नजर आई थीं।

रिपोर्टों के मुताबिक, द फैमिली मैन का तीसरा सीजन कोरोना महामारी के दौर पर आधारित होगा। इसमें श्रीकांत तिवारी चीनी दुश्मनों से लोहा लेते नजर आएंगे। तीसरे सीजन में भारत को बर्बाद करने के लिए चीनी दुश्मनों के प्लान का नाम गुआन यू होगा। गुआन यू एक चीनी सेना जनरल थे, जिनकी चीनी लोग पूजा करते हैं। तीसरे सीजन के ज्यादातर हिस्से की शूटिंग नागालैंड में होगी। मुंबई और दिल्ली में भी इसकी शूटिंग हो सकती है। मनोज ने कुछ समय पहले कहा था, सीरीज की कहानी राज और डीके के पास है। जल्द ही इसके स्क्रीनप्ले पर काम शुरू होगा। अगर सबकुछ ठीक रहा तो एक-डेढ़ साल में हम द फैमिली मैन का तीसरा सीजन बना लेंगे। उन्होंने आगे कहा, हम किसी को उम्मीद नहीं थी कि सीरीज दर्शकों को इतनी पसंद आएगी। हम बहुत खुश हैं कि लोगों ने हमारी सीरीज को इतना प्यार दिया है। मैं खुद इसके तीसरे सीजन को लेकर बेसब्र हूं।

नवाजुद्दीन के साथ फिल्म अफवाह में नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

भूमि पेडनेकर आने वाले दिनों में कई फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। वह एक के बाद एक नई फिल्म का ऐलान कर रही हैं। भूमि शुरुआत से ही अपनी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीतती आ रही हैं। यही वजह है कि उनकी आगामी फिल्मों की भी दर्शक बेसब्री से राह देख रहे हैं। अब जल्द ही वह नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ नजर आएंगी। उनकी नई फिल्म का नाम अफवाह है।

भूमि ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर अफवाह की जानकारी दी। उन्होंने एक फोटो कोलाज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, आधिकारिक तौर पर साल की सबसे बड़ी अफवाह का हिस्सा हूं। बता दें कि एक ओर जहां फिल्म का निर्देशन सुधीर मिश्रा करेंगे तो वहीं फिल्म को उनके खास दोस्त अनुभव सिन्हा प्रोडक्शन हाउस टी-सीरीज के साथ मिलकर बनाएंगे। पिछले काफी समय से इस फिल्म पर काम चल रहा था, जिसकी घोषणा अब हुई है।

नवाजुद्दीन ने फिल्म को लेकर कहा, सीरियस मैन में सुधीर संग काम करना मेरे करियर के सबसे सुखद अनुभवों में से एक था। एक बार फिर उनके साथ इतने अनोखे विषय पर काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि उनका सिनेमा बदलाव लाने वाला है। भूमि एक बेहतरीन अदाकारा हैं और उनके साथ की केमिस्ट्री देखने लायक होगी। टी-सीरीज के साथ यह मेरा पहला प्रोजेक्ट होगा और मैं इसके लिए उत्सुक हूं।

सुधीर मिश्रा एक मशहूर निर्देशक और स्क्रीन राइटर हैं। फिल्म ये वो मंजिल तो नहीं से उन्होंने निर्देशन में डेब्यू किया। इस फिल्म ने बेस्ट फर्स्ट फिल्म ऑफ डायरेक्टर के लिए नेशनल अवॉर्ड जीता। धारावी, चमेली और हजारों ख्वाइशें जैसी फिल्में भी उन्होंने निर्देशित कीं।

भूमि ने इस पर बात करते हुए कहा, नवाजुद्दीन देश के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं। जब आप इतने कुशल अभिनेता के साथ काम कर रहे होते हैं तो आप अपने प्रयास को दोगुना करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सुधीर सर हमेशा मेरी विश लिस्ट में रहे हैं। यह और भी खास है, क्योंकि मैं भीड़ के बाद फिर से अनुभव सिन्हा और भूषण कुमार संग काम कर रही हूं। इस फिल्म का हिस्सा बन मैं बेहद रोमांचित हूं। भूमि फिल्म बधाई दो में अभिनेता राजकुमार राव के साथ दिखाई देंगी। फिल्म गोविंदा नाम मेरा उनके खाते से जुड़ी है। वह राजकुमार राव के साथ फिल्म भीड़ में काम कर रही हैं। इसके अलावा भूमि, अर्जुन कपूर की फिल्म लेडी किलर में भी नजर आएंगी। दूसरी तरफ हाल ही में नवाजुद्दीन की फिल्म नूरानी चेहरा का ऐलान हुआ है। वह नो लैंड्स मैन, अद्भुत, टीकू वेड्स शेरू, हीरोपंती 2 और जोगिरा सारा रा रा जैसी फिल्मों का हिस्सा हैं।

भाभी जी घर पर हैं की नई अनीता भाभी बनीं विदिशा श्रीवास्तव

भाभी जी घर पर हैं एक लोकप्रिय कॉमेडी टेलीविजन शो है। यह शो पिछले सात सालों से टेलीविजन पर सफलतापूर्वक चल रहा है। ये शो हर किसी के लिए किसी हंसी के दंगल से कम नहीं है. लोग अंगूरी भाभी, अनीता भाभी, मनमोहन तिवारी, विभूति नारायण मिश्रा और शो के अन्य सहायक पात्रों जैसे प्रफुल्लित करने वाले पात्रों को पसंद करते हैं। हालांकि, अनीता भाभी का किरदार निभाने वाली नेहा पेंडसे अब शो छोड़ रही हैं। वहीं मेकर्स को इस रोल के लिए एक नया चेहरा मिल गया है। यह कोई और नहीं बल्कि विदिशा श्रीवास्तव हैं।

विदिशा वर्तमान में काशीबाई बाजीराव बल्लाल शो में शिव बाई की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने जल्द ही भाभी जी घर पर हैं के कलाकारों में शामिल होने की पुष्टि की है। विदिशा ने कहा कि यह उनके लिए एक महान अवसर है, लेकिन एक चुनौतीपूर्ण भी है। उसने खुलासा किया कि उसे एक दिन में भूमिका के लिए अंतिम रूप दिया गया था क्योंकि निर्माताओं को लगा कि वह लुक और प्रदर्शन के मामले में भूमिका के लिए एकदम फिट है। आगे उन्होंने शो में शामिल होने की खुशी जाहिर की और कहा कि यह उनके करियर का सबसे बड़ा ब्रेक होगा.

विदिशा ने अनीता भाभी की भूमिका के साथ न्याय करने के बारे में भी अपने विचार रखे। उसने कहा, मेरे कंधों पर मेरे पूर्ववर्ती से पदभार संभालने की एक बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन मैं अनीता भाभी को अपने तरीके से निभाऊंगी। हालांकि यह कॉमेडी जॉनर में मेरा डेब्यू है, लेकिन मैं इसमें बिना किसी दबाव के कूद रहा हूं। मैं इस नए अवसर को लेकर उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि लोग मुझे नई अनीता भाभी के रूप में स्वीकार करेंगे।

पिछले साल जनवरी में नेहा पेंडसे सौम्या टंडन की जगह अनीता भाभी के रूप में शो में शामिल हुईं। सौम्या अनीता भाभी की भूमिका निभाने वाली पहली थीं और पांच साल से अधिक समय तक इस शो का हिस्सा थीं।

कभी ईद कभी दिवाली के सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स के लिए मिला 150 करोड़ का ऑफर

सलमान खान की हालिया रिलीज हुई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर पाई हैं। इस सुपरस्टार से दर्शकों और समीक्षकों को काफी उम्मीदें हैं। काफी समय से वह फिल्म कभी ईद कभी दिवाली को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उम्मीद है कि इस फिल्म के जरिए वह बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएंगे। खबरों की मानें तो इस फिल्म के सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स के लिए सलमान और साजिद नाडियाडवाला को 150 करोड़ रुपये का ऑफर मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कभी ईद कभी दिवाली के सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स के लिए मेकर्स को 150 करोड़ रुपये का ऑफर मिला है। मेकर्स की कई स्ट्रीमिंग कंपनियों से बातचीत चल रही है। जल्द ही फिल्म की टीम इस डील को साइन कर सकती है। थिएट्रिकल रिलीज के करीब आठ सप्ताह बाद फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी। हालांकि, इस डील को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

एक सूत्र ने बताया, महामारी से पहले सलमान ने फिल्म भारत के सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स 130 करोड़ रुपये में बेचे थे, जो उस समय तक सबसे बड़ी डील थी। सलमान की अमेजन और जी के साथ डील होने के कारण दबंग 3 के राइट्स भी इसी रेंज में बिके थे। कोरोना महामारी में खेल बदल गया है क्योंकि डिजिटल विंडो केवल चार सप्ताह का रह गया। यही वजह है कि सूर्यवंशी के स्ट्रीमिंग राइट्स 140 करोड़ रुपये में बिके।

सूत्र ने बताया कि सलमान ने कभी ईद कभी दिवाली की डील के लिए कमर कस ली है। अगर मेकर्स इस डील पर अपनी मुहर लगा देते हैं, तो यह अबतक की सबसे बड़ी नन-थिएट्रिकल डील होगी। कॉमिक एंटरटेनर होने के नाते फिल्म को डिजिटल जगत से शानदार ऑफर मिले हैं। सूत्र का कहना है कि अक्षय कुमार के अलावा सलमान ही ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपने तीन दशक लंबे करियर में फिल्मों को लगातार अच्छी टेलीविजन रेटिंग्स दिलाई है। कभी ईद कभी दिवाली का निर्देशन फरहाद सामजी करेंगे। फिल्म में साउथ स्टार वेंकटेश और पूजा हेगड़े भी नजर आएंगी। फिल्म में 56 वर्षीय सलमान पहली बार 31 वर्षीया अभिनेत्री पूजा के साथ रोमांस करते दिखेंगे। फिल्म की कहानी काफी हद तक सलमान के परिवार से प्रेरित होगी। इसमें एक ऐसे परिवार की कहानी होगी, जिसमें ईद और दिवाली दोनों त्योहार मनाए जाते हैं। फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी।

सलमान और साजिद की आखिरी फिल्म किक ईद को रिलीज हुई थी। जीत, जुड़वा, हर दिल जो प्यार करेगा, मुझसे शादी करोगी, जान-ए-मन और किक जैसी फिल्मों में सलमान और साजिद ने साथ काम किया है। कभी ईद कभी दिवाली दोनों की सातवीं फिल्म है।

आचरण-रहित उपदेशात्मकता एक छल

दिनेश चमोला 'शैलेश'

उपदेश देना जितना सरल है, आचरण करना उतना ही क्लिष्ट, दुरूह व जटिल भी। संभवत: आचरण की आधारशिला पर उपदेशात्मकता के भवन को खड़े करने वाले व्यक्ति को, किसी भी रूप में किसी अवलंब, प्रमाण अथवा किन्हीं प्रकार के दृष्टांतों की अपेक्षा नहीं होती। उनके व्यावहारिक आचरण का प्रतिबिंब ही उपदेशात्मकता से अधिक अपनी सोद्देश्यता और सार्थकता सिद्ध कर लेता है। भौतिक-व्यावहारिकता की दृष्टि से जीवन में उपदेशकों की तीन कोटियां हो सकती हैं।

प्रथम उपदेशक वह हैं, जिनकी कथनी और करनी में समानता अर्थात कथनी से अधिक करनी की प्रामाणिकता उनके जीवन में दृष्टिगत होती है, उन्हें उत्तम कोटि के उपदेशकों में शामिल किया जा सकता है। दूसरे प्रकार के उपदेशक वे हैं, जिनके उपदेशों में स्वयं के आचरण की अंतर्वस्तु उपदेश के समानांतर अधिकतम पचास प्रतिशत तक ही दृष्टिगत होती है, उन्हें द्वितीय अथवा मध्यम कोटि के उपदेशकों में शामिल किया जा सकता है। तीसरे प्रकार के उपदेशक वे होते हैं, जिनके वैविध्यपूर्ण उपदेशों में कहीं भी उनके कर्म व आचरण की उपस्थिति दिग्दर्शित नहीं होती। किंतु अपनी तथाकथित विशेषज्ञता की लंगड़ी, वह हर क्षेत्र में ही देने के लिए अभिशप्त होते हैं। वे किसी भी प्रकार की परिस्थिति व कैसे भी समाज में अपनी कृत्रिम बौद्धिक उपस्थिति बनाने से बाज नहीं आ पाते। वे जितने यश के लिए लालायित होते हैं, उतने ही अपयश के दंश को झेल पाने के भी खूब आदी होते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ऐसे ही चतुरमिजाजी उपदेशकों से सावधान करते लिखते हैं-

पर उपदेश कुशल बहुतेरे।
जे अचरहिं ते नर न घनेरे॥

उपदेश देना तो बहुत आसान है, लेकिन कठिन है आचरण व कर्म के धरातल पर कस उसे जीवन में उतार कर दूसरों के समक्ष उसे व्यावहारिक रूप से आचरित कर दिखाना। श्रेष्ठ संत, मनीषी व विद्वान के व्यक्तित्व का उपदेश उनके जीवन के सत्याचरण में सन्निहित होता है। कुछ उपदेश केवल कृत्रिम बुद्धि से निसृत होते हैं, वे एक ऐसे बीज की तरह होते हैं जो बीज की तरह दिखाई तो देता है किंतु उसमें वस्तुत: बीज की सी उर्वरता होती ही नहीं है, केवल छिलका मात्र होता है गोया कि घुन लगा बीज। वह बीज बनकर दूसरों को दिग्भ्रमित कर सकता है, लेकिन बीज होकर अपनी सार्थकता सिद्ध नहीं कर सकता। वह न जम सकता है, न अपनी उत्पादकता ही सिद्ध कर सकता है।

महापुरुषों का जीवन कठोर श्रम, स्वाध्याय, तप, निष्ठा व आदर्शों से विनिर्मित होता है। वे उसी बात, प्रसंग व दृष्टांत को अपने चिंतन, प्रवचन, अभिव्यक्ति व व्याख्या का विषय बनाते हैं जिसका अनुप्रयोग व अनुपालन वे आचरण के निकष पर, अक्षरश: अपने निजी जीवन में अनेक बार कर चुके होते हैं। उनकी वाणी से वही बातें झरती हैं जो सहज रूप में उनकी साधना व आचरण का हिस्सा होती हैं। उनकी कथनी व करनी में कदापि वैभिन्य का पुट नहीं दिखाई दे सकता। अभिनय की आवश्यकता प्राय: उन्हें ही महसूसती है जिनके जीवन में मौलिकता का सर्वथा अभाव ही अभाव हो। सूर्य के समान तेजस्वी व ओजस्वी के किसी विज्ञापन व उपदेशन की आकांक्षा महसूस ही नहीं होती।

किंतु थोथला उपदेशक किसी और की साधना व तपस्या से स्वयं को महिमामंडित करना चाहता है। किसी एक द्वारा ग्रहण किये गए अन्न से किसी एक, दूसरे व तीसरे की क्षुधापूर्ति भला कैसे संभव है? जिस प्रकार मातृत्व की व्यावहारिक अनुभूति बिना मां बने या मातृत्व ग्रहण किये नहीं होती, उसी प्रकार साधनात्मक ज्ञान के अभाव में उसका थोथला उपदेश भी घुन लगे बीज की तरह किसी को अपने होने की सार्थकता सिद्ध करने की सामर्थ्य नहीं जुटा पाता।

अपने लचीले स्वार्थ-परायण संपर्कों के गणित से कोई भी पद-प्रतिष्ठा के क्षणिक वैभव का स्वामी अवश्य बनता महसूस कर सकता है, लेकिन स्वार्थ की कृपादृष्टि से कृत्रिम रूप में पल्लवित-पुष्पित व्यक्तित्व एक न एक दिन अवश्य अपने कुकृत्यों के लिए दंडित अथवा अपमानित होता है। साधना का एक-एक क्षण कष्ट की प्रतीति अवश्य कराता है, लेकिन भाग्य व पुरुषार्थ का परिपक्व व स्थायी फल उसी भाग्य-वृक्ष पर लगता है जो जीवन को अथाह शांति व वास्तविक मनुष्य होने के सही अर्थों से गौरवान्वित करता है। जो गुरु आचरण की भट्टी में अपने ज्ञानामृत रूपी अनुभूत रस के पाग को नहीं पका सकता, वह ज्ञान के मिठास का गुड़ भला अपनी शिष्य-मंडली को कैसे सुलभ करा सकता है?

जिसने जीवन की हर शिक्षा, पद, संबंध, प्रतिष्ठा व कुर्सी, केवल तोड़-तिकड़म व मात्र व मात्र जुगाड़ से ही अर्जित की हो वह किसी को प्रेरित करने का साहस बटोर ही कैसे सकता है? वस्तुत: आचरण स्वयं में सर्वश्रेष्ठ उपदेश है। जो व्यक्ति आचरणपरक कर्म की पवित्रता से जीवन मूल्यों के वृक्ष को सींचता है उस पर लगे हुए सुकर्म, सुचिंतन व सद्विचार के पुष्प अथवा फल देखने-खाने अथवा ग्रहण करने वाले को स्वयं ही अपनी उत्कृष्टता, विलक्षणता, मूल्यपरकता से अवगत करा देते हैं। कृत्रिम गुलाब का बहुरंगी स्वरूप, सौरभ, जहां अज्ञानियों के जीवन में भटकाव व अस्थिरता ला उन्हें मूल जीवन-लक्ष्य से भटका सकता है, वहीं मौलिक गुलाब की शाश्वत सुरभित सामर्थ्य उसके कृत्रिम प्रभा-मंडल को दूध का दूध व पानी का पानी सिद्ध कर उसे क्षोभ, चिंता, अनैतिकता व कृत्रिमता का बोध कराकर स्वयं ही पराजित होने के लिए बाध्य कर सकती है। कई तथाकथित ऐसे लोगों का चिंतन, वैचारिक विश्लेषण जहां उन्हें उनकी दृष्टि में निकृष्टतम करार देता है, वहीं उस क्षेत्र में आगे बढ़कर स्वयं को प्रदर्शित करने की होड़ में भी उन्हें मौलिकता से कृत्रिमता की ओर जाने के लिए विवश भी करता है। जो कर्म, चिंतन, मूल्य, आदर्श, संघर्ष की मौलिकता से कोसों दूर रहे हों, उन्हें भला नाहक उपदेश का विशिष्ट अधिकार कैसे?

अत: स्वयं-सिद्ध है कि आचरण-रहित उपदेशात्मकता जीवन-संदेश की अंतर्वस्तु को खत्म कर सकती है।

लेखक के रूप में डेब्यू करेंगे शाहरुख के बेटे आर्यन

सुपरस्टार्स के बच्चों के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर फैंस काफी उत्साहित रहते हैं। यहां तक कि फिल्मों में आने से पहले ही स्टारकिड्स की फैन फॉलोइंग बढ़ जाती है। शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के डेब्यू को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म रहता है। शाहरुख ने एक बार कहा था कि आर्यन को एक्टिंग में रुचि नहीं है। अब सुनने में आ रहा है कि आर्यन एक्टर नहीं, बल्कि एक लेखक के रूप में बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, आर्यन एक लेखक के रूप में बॉलीवुड में अपना पदार्पण करेंगे। खबरों की मानें तो आर्यन फिलहाल दो प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। एक फीचर फिल्म है, जिसे रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया जाएगा। दूसरा प्रोजेक्ट एक वेब सीरीज है, जो सीधे अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रसारित होगी। यह थ्रिलर सीरीज एक कट्टर प्रशंसक के जीवन पर आधारित है। साल के अंत तक सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ सकती है।

इन प्रोजेक्ट्स के स्क्रिप्ट्स फिलहाल डेवलेपमेंट स्टेज में हैं। रिपोर्ट की मानें तो इन दो प्रोजेक्ट्स के अलावा आर्यन कई अन्य कहानियों पर भी काम कर रहे हैं, जिसमें बिलाल सिद्दीकी उनके सह-लेखक हैं। शाहरुख ने खुद कहा था कि आर्यन को अपने पिता की तरह अभिनेता नहीं बनना चाहिए, बल्कि कैमरे के पीछे अपने कौशल पर काम करना चाहिए, जिसमें वह वास्तव में रुचि रखते हैं। आर्यन का राइटिंग के प्रति प्रेम जगजाहिर है। शाहरुख की बेटी और आर्यन की बहन सुहाना खान भी बहुत जल्द बॉलीवुड में डेब्यू कर सकती हैं।

सू- दोकू क्र. 59

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.58का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शांति ही प्राथमिकता

युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता। रूस और यूक्रेन के इस संघर्ष के बीच जहां तक भारत का मामला है, वह हमेशा से शांति बनाये रखने को अहमियत देता रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के दौरान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बगैर हिंसा के समाधान निकालने की अहमियत पर बल दिया। मोदी की बातचीत यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से भी हुई। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत के रुख पर कुछ हलकों में इस बात को लेकर गंभीर टिप्पणी की गयी कि भारत का रुख उचित नहीं रहा। अमेरिकी थिंक टैंक समुदाय के एक प्रमुख सदस्य, रिचर्ड हास ने तो खेद व्यक्त करते हुए इसे भारत की 'सावधान, हर कीमत पर पुतिन को नाराज करने से बचें' जैसी स्थिति करार दिया और परोक्ष रूप से चेतावनी में उन्होंने इस प्रतिक्रिया को 'निराशाजनक और अदूरदर्शी' बताया। असल में इस प्रस्ताव के दौरान मतदान न करने के लिए भारत के स्पष्टीकरण और व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत से स्पष्ट होता है कि भारत ने मास्को को पीछे हटने की आवश्यकता से अवगत कराया है। असल में मोदी-पुतिन फोन कॉल के दौरान, नयी दिल्ली ने राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने और हिंसा और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने की आवश्यकता को

रेखांकित किया। भारत की ओर से इस बात पर जोर दिया गया कि शांति बहाली प्राथमिकता हो। यहां उल्लेखनीय है कि वर्तमान भू-राजनीतिक संकट काफी हद तक इसलिए है क्योंकि रूस और पश्चिम एक दूसरे को एक ऐसे लेंस के माध्यम से देखते हैं जो दशकों के आपसी विषाक्तता के गहरे रंग में डूबा है। दोनों पक्षों की अपनी-अपनी दलीलें हैं। इन दलीलों में भारतीय पक्ष दूर-दूर तक कहीं नहीं है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की अनुपस्थिति के कई निहितार्थ हैं। उसने बीच का रास्ता अख्तियार करने के साथ-साथ यूक्रेन में अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोनों पक्षों तक पहुंचने का विकल्प रखा है। इसके साथ ही भारत उन सौदों को लेकर भी सतर्क है जो रक्षा मामलों में उसने रूस के साथ किए हैं। यही नहीं, रूस के साथ भारत के सैन्य संबंधों के अलावा सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भी एक लंबी शृंखला रही है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत मूल्य-आधारित विदेश नीति और कठिन दौर के बीच संयमित संतुलन भी बना रहा है। यूएनएससी में रूस के खिलाफ प्रस्ताव में भाग न लेना और रूस के साथ-साथ यूक्रेन से बातचीत इसी संतुलन का प्रतिबिंब है। भारत के अनेक छात्र यूक्रेन में हैं। उनकी सकुशल वापसी के लिए 'ऑपरेशन गंगा' सफलतापूर्वक चल रहा है। अनेक विद्यार्थियों-नागरिकों को भारत लाया जा चुका है। इस बीच, यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण भारत वहां फंसे अपने नागरिकों को रोमानिया, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया के साथ लगी यूक्रेन की सीमा चौकियों के जरिए बाहर निकाल रहा है। युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की सकुशल वापसी के प्रयासों को तेज करने के लिए भारत सरकार ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरेन रिजिजू और वीके सिंह को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजने का फैसला किया है। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में संपन्न एक उच्च स्तरीय बैठक में किया गया। जानकारी के मुताबिक, सिंधिया रोमानिया और मोल्दोवा से समन्वय करेंगे, जबकि रिजिजू स्लोवाकिया जाएंगे। इसी तरह पुरी हंगरी जाएंगे और सिंह पोलैंड। इस वक्त युद्धग्रस्त देश में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें बाहर निकालना भारत की शीर्ष प्राथमिकता है। अपनी इस प्राथमिकता पर सटीक काम करते हुए भारत दोनों देशों के बीच शांति बहाली के अपने पक्ष पर भी कायम है। यही वक्त की जरूरत है। (आरएनएस)

पीएनबी अधिकारी बन ठगे 55 हजार रूपये

संवाददाता

देहरादून। पीएनबी बैंक अधिकारी बन 55 हजार रूपये खाते से निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चकराता निवासी पूरण दास ने चकराता थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर कॉल आयी तथा कॉल करने वाले ने अपने आपको पीएनबी बैंक का अधिकारी बताते हुए उसके बैंक खाते की केवाईसी अपडेट करने के लिए पीएनबी पासबुक एप लोड करने के लिए कहा। उसने जैसे ही पासबुक एप लोड किया तो थोडी देर बाद उसके खाते से 55 हजार 512 रूपये निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मकान के नाम पर लाखों की ठगी में दो नामजद

संवाददाता

देहरादून। मकान के नाम पर लाखों की ठगी करने के मामले में पुलिस ने महिला सहित दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खटीमा ऊधमसिह नगर निवासी आकश चंद ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान शीशम बाडा नयागांव निवासी हरदेश सक्सेना से हुई। हरदेश सक्सेना व आगरा निवासी पूनम सक्सेना ने अपना मकान बेचने की बात उससे कही तो दोनों पक्षों में बात तय होने पर उसने उनको सात लाख बीस हजार रूपये दे दिये। लेकिन उसके बाद हरदेश सक्सेना व पूनम ने उसके नाम मकान की रजिस्ट्री नहीं करायी और ना ही उसके पैसे वापस किये। जिसके बाद उसको पता चला कि दोनों ने उसके साथ धोखाधडी कर रूपये ऐंठ लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नाबालिग को भगाने में छह नामजद

देहरादून (संवाददाता)। नाबालिग को भगाने में पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सपेरा बस्ती निवासी ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि घिससुपुरा पथरी हरिद्वार निवासी ऋतिक उर्फ बुद्धी उसकी नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले गया है तथा इस अपराध में उसके पिता, मां व अन्य लोगो ने पूरा साथ दिया है। पुलिस ने आरोपी सहित छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रक की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रक की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नत्थनपुर नेहरू ग्राम निवासी सुरेन्द्र सिह नेगी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका रिश्तेदार शुभम बिष्ट अपनी एक्टिवा से शहर की तरफ आ रहा था जब वह तेलपुर चौक शिमला बाईपास पर पहुचा तो पीछे से आ रहे ट्रक ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हरीश रावत के विरुद्ध भाजपाई नेताओं का विषवमन असहनीयः धीरेंद्र प्रताप

देहरादून (कासं)। उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष व वरिष्ठ प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद चुनावी नतीजों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष हरीश रावत के विरुद्ध किए जा रहे विषवमन को असहनीय बताया है । वीरेंद्र प्रताप ने कहा है कि भाजपा के जो नेता हरीश रावत पर छींटाकशी करने पर लगे हैं उनके बयान ओछे और बचकाने है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी विधानसभा के चुनाव में अभूतपूर्व विजय की ओरिजनल बढ़ रही है ऐसे में भाजपा के नेताओं का मानसिक संतुलन बिगड़ जाना सामान्य सी बात है। परंतु उन्होंने कहा भाजपा के जो छूट भैया नेता हरीश रावत के विरुद्ध अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं उन्हें अपनी सीमाओं में रहना चाहिए और लोकतंत्र के सामान्य शिष्टाचार के निर्धारकों का पालन करना चाहिए।

गांजा तस्करी में महिला सहित तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत एसओजी रूद्रपुर को कल देर शाम खासी सफलता हाथ लगी है। एसओजी टीम ने कार्यवाही करते हुए एक महिला सहित तीन लोगों को 44.559 किलोग्राम गांजे सहित गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से टीम ने गांजा बेचकर कमाये गये 40 हजार की नगदी भी बरामद की है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम एसओजी रूद्रपुर को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरानं चौकी सरकंडा के सामने कार सवार महिला सहित तीन संदिग्ध लोग आते हुए दिखायी दिये। टीम ने जब उनको रोक कर तलाशी ली तो

❑44.559 किलो गांजा व 40 हजार की नगदी बरामद

कार से 44.559 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होने अपना नाम गुरुप्रसाद महलदार पुत्र ठाकुरप्रसाद महलदार निवासी चन्दिया हजारा थाना शेरपुर पीलीभीत हाल किरायेदार संजयनगर खेडा थाना ट्रांजिट कैम्प, विशाल दास उर्फ भोला पुत्र रविदास निवासी ट्रांजिट कैम्प मुल निवासी शेरपुर पीलीभीत व आशा देवी पत्नी अजयपाल निवासी पीलीभीत हाल किच्छा वाईपास बताया। आरोपियों के कब्जे से एसओजी टीम ने गांजा बेचकर कमाये गये 40 हजार की नगदी भी बरामद की है। पूछताछ में तस्करों द्वारा बताया गया कि उनका एक संगठित गिरोह है, जिसका सरगना राकेश साहनी उर्फ पेन्टर पुत्र रामबाबू साहनी निवासी भूरारानी थाना रुद्रपुर जिला उधमसिंह नगर है। जो गिरफ्तार तस्कर विशालदास उर्फ भोला का पार्टनर है। बताया जा रहा है कि इसी गांजा तस्करी से राकेश साहनी उर्फ पेन्टर ने 8-10 कारें , 2-3 मकान, और एक फैक्ट्री क्रय कर करोड़ों रुपयों का कारोबार किया है। जिसे गिरफ्तार करने के प्रयास किये जा रहे है।

कोरियर कम्पनी का कर्मचारी बन ठगे एक लाख

संवाददाता

देहरादून। कोरियर कम्पनी का कर्मचारी बन खाते से एक लाख रूपये निकाल दिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बद्रीपुर जोगीवाला निवासी पवन कुमार वर्मा ने साइबर थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी बेटी ने पार्सल भेजने के लिए इंटरनेट से कोरियर कम्पनी का मोबाइल नम्बर लिया। उसने बताया कि उक्त नम्बर से उसकी बेटी को फोन आया और अपने आपको कोरियर कम्पनी का कर्मचारी बताते हुए सामान भेजने के लिए पांच रूपये का रजिस्ट्रेशन करवाकर कोड भेजने के लिए कहा गया। उसकी बेटी द्वारा उक्त कोड पर जैसे ही क्लीक किया उसके एसबीआई व पीएनबी बैंक खातों से एक लाख 6 हजार 931 रूपये निकल गये। साईबर थाने के आदेश पर नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शादी समारोह में युवक की चाकुओं से गोद कर हत्या, हत्यारे फरार

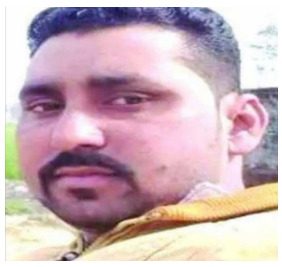

उधमसिंहनगर (हमारे संवाददाता)। शादी समारोह में आये एक युवक की कुछ लोगों द्वारा चाकू मारकर हत्या कर देने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी है। हत्या की इस वारदात के पीछे पुरानी रंजिंश कारण बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बीती रात यूपी से एक बारात रूद्रपुर आहुजा धर्मशाला आई हुई थी। जिसमें संजयपाल निवासी मिलक रामपुर अपने भाई बहनोई के साथ शामिल होने पहुंचा था। बताया जा रहा है कि इस दौरान पुरानी किसी रंजिश को लेकर संजय पाल का कुछ लोगों से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि कुछ लोगों ने संजय पाल पर चाकू से हमला कर दिया। अचानक विवाह समारोह में चाकूबाजी की घटना को लेकर अफरा तफरी फैल गयी। इस दौरान हमलावरों ने संजय पाल पर कई चाकू मार डाले जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। जिसके बाद हत्यारें वहां से फरार हो गये। सूचना पर सीओ सिटी अभय सिंह, कोतवाल विक्रम राठौर और एसएसआई सतीश चंद कापड़ी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी सिटी ममता बोहरा ने बताया कि कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रथम दृष्टया हत्या पुरानी रंजिश को लेकर की गयी है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बुसान अंतरराष्ट्रीय शार्ट फिल्म फेस्टिवल में होगा फिल्म पताल ती का प्रीमियर

संवाददाता

देहरादून। लेखक व निर्देशक संतोष रावत ने बताया कि पताल ती फिल्म भोटिया जनजाति की एक लोक कथा पर फिल्मायी गयी है। यह फिल्म बुसान अंतर्राष्ट्रीय शार्ट फिल्म फेस्टिवल में इसका प्रीमियर होगा।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए रावत ने बताया कि 39वें बुसान अंतरराष्ट्रीय शार्ट फिल्म फेस्टिवल (दक्षिण कोरिया) में पहली बार उत्तराखंड में बनी एक फिल्म पताल ती का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है। पताल-ती (होली-वाटर) विश्व के 111 देशों से आई 2548 फिल्मों में से चुनी गई 40 शार्ट फिल्मों में से एक है। यह फिल्म भोटिया जनजाति की एक लोक कथा पर

आधारित है। फिल्म का निर्माण स्टूडियो यूके13 की टीम ने किया है, और फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन में ध्वनि संयोजन ऑस्कर विजेता रेसुल पूकुट्टी (स्लमडॉग मिलियनेयर), एडिटिंग संयुक्ता काजा (तुम्बाड़) और पूजा पिल्लै (पाताल लोक) एवं रंग संयोजन ईरान के हामिद रेजाफातोरेचिअन ने किया है। फिल्म की शूटिंग रुद्रप्रयाग और चमोली जनपद के कई स्थानों पर की गई है। फिल्म में मुकुंद नारायण ने इस फिल्म में हिमालय के एक गाँव के जीवन को दर्शाया है। इस फिल्म के लिए टीम ने 20 दिनों में 4500 मीटर की ऊंचाई तक हिमालय में 300 किलोमीटर से भी ज्यादा की पैदल यात्राएं की हैं। यह फिल्म भोटिया जनजाति की लोक कथा पर आधारित है।

एक नजर

हम मासूमों की मौत भूलेंगे नहीं: राष्ट्रपति जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन रूस में 12वें दिन भी बमबारी का दौर जारी है। ना तो यूक्रेन पीछे हटने को तैयार है ना ही रूस। इस बीच लाखों की संख्या में लोग पलायन कर रहे हैं। वहीं तड़के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक वीडियो जारी किया। उन्होंने युद्ध में मारे जा रहे आम लोगों के प्रति दुख जाहिर करते हुए कहा, श्एक परिवार के चार लोग माता–पिता और दो बच्चे, इरपिन में मारे गए क्योंकि वे शहर छोड़ने की कोशिश कर रहे थे, हम इन मासूमों की मौत भूलेंगे नहीं। जेलेंस्की ने कहा कि हम युद्ध में अत्याचार करने वाले सभी लोगों

को दंडित करेंगे। हमारे लोग शहर में गोलाबारी करने वाले, मिलाइल छोड़ने और शूटिंग का आदेश देने वाले हर गंदगी को ढूंढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब उन्हें धरती पर कब्र को छोड़कर कोई शांत जगह नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि, रूस ने घोषणा की है कि कल वह हमारे रक्षा उद्योग उद्यमों पर बमबारी करेगा। उनमें से अधिकांश हमारे शहरों में स्थित हैं, जिसके आसपास आम नागरिक रहते हैं। यह एक जानबूझकर किया जा रहा हत्या है। उन्होंने कहा कि मैंने आज किसी भी विश्व नेता को इस पर प्रतिक्रिया करते नहीं देखा, कोई भी पश्चिमी राजनेता रूस को रोकने में कामयाब नहीं हो पा रही है।

पाकिस्तानी ड्रोन को सीमा सुरक्षा बल ने मार गिराया

नई दिल्ली । भारत की सीमा में एक फिर पाकिस्तानी ड्रोन घुसा है, जिसे सीमा सुरक्षा बल (बीएमएफ) ने मौके पर मार गिराया। ये ड्रोन सोमवार तड़के २.५५ पर पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में देखा गया। ड्रोन के साथ प्रतिबंधित सामग्री वाले ५ पैकेट भी बरामद किए गए। दरअसल, फिरोजपुर सेक्टर में

पाकिस्तान की ओर से भारत में संदिग्ध उड़ने वाली किसी चीज की आवाज सुनाई दी थी। इसके बाद सीमा सुरक्षा बल तुरंत अलर्ट हो गई और गोलीबारी में उसे मार गिराया। इससे पहले शनिवार को बीएसएफ ने जम्मू में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन दिखाई देने पर उस पर गोलीबारी की थी। बीएसफ के जवानों ने उड़ने वाली संदिग्ध वस्तु पर उस समय गोलीबारी की जब वह अरनिया के नागरिक इलाके में सुबह करीब चार बजकर १० मिनट पर दाखिल हुआ। अरनिया के इलाके में बीएसएफ के जवानों ने सुबह ४.१० बजे एक संदिग्ध ड्रोन की आवाज सुनी। इसके बाद सैनिकों ने आवाज की दिशा में गोलियां चलाई।

नवाब मलिक के इस्तीफे को लेकर बीजेपी ने विधानसभा के बाहर किया प्रदर्शन

मुंबई। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी के इतने दिन बाद भी अभी तक एमवीए सरकार ने उनका इस्तीफा नहीं लिया है। इसे लेकर बीजेपी लगातार उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन कर रही है। नवाब मलिक को २३ फरवरी को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद नवाब मलिक को ३ मार्च तक के लिए रिमांड पर भेजा था। इसके बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया और कोर्ट ने उनकी हिरासत को ७ मार्च तक

के लिए बढ़ा दिया गया। आज उनकी रिमांड की अवधि खत्म हो रही है। ईडी ने नवाब मलिक को कई गंभीर आरोपों के चलते गिरफ्तार किया है। ईडी का आरोप है कि नवाब मलिक ने दाऊद इब्राहिम के सहयोगियों– हसीना पारकर , सलीम पटेल और सरदार खान के साथ मिलकर मुंबई के कुर्ला में मुनीरा प्लंबर की पैतृक संपत्ति को हड़पने के लिए एक आपराधिक साजिश रची। इस पैतृक संपत्ति की कीमत लगभग ३०० करोड़ रुपये है। ईडी ने दावा किया था कि मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए इस अपराध अंजाम दिया गया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि फिलहाल महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक के इस्तीफे के लिए दबाव नहीं डालेगी, जिन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया है। अजीत पवार ने कहा कि राज्य सरकार लोक कल्याण के मुद्दों पर विधायिका में चर्चा और बहस के लिए तैयार है।

एसटीएफ एवं साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन का ऑपरेशन त्रिनेत्र

जीओ टॉवर लगाने के नाम पर 14 लाख की ठगी करने वाला कोलकाता से गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। रिलायन्स जीओ टॉवर लगाने के नाम पर 14 लाख की ठगी करने वाले गिरोह के सरगना को एसटीएफ ने कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया जबकि उसके दो साथियों को नोटिस दिया गया।

आज यहां एसटीएफ के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि एक प्रार्थना पत्र साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को प्राप्त हुआ जिसमें पीडित अतर सिंह पुत्र स्व० जटी सिंह निवासी विकास लोक कालोनी लेन नं० 1 रायपुर के साथ अज्ञात ठगों द्वारा शिकायतकर्ता को घर पर रिलायन्स जीओ का टॉवर लगाने की स्कीम बताकर लाभ कमाने का लालच देकर उससे 14 लाख रुपये की धनराशि धोखाधड़ी से विभिन्न बैक खातो में प्राप्त कर ली। साईबर थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मुकदमें में आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु घटित टीम द्वारा घटना में प्रयुक्त मोबाईल नम्बर, तथा आरोपियों द्वारा पीडित से प्राप्त धनराशि की जानकारी प्राप्त की गयी तो प्रकाश में आया कि आरोपियों द्वारा फोन के माध्यम से सम्पर्क कर रिलायन्स टॉवर लगाने के नाम पर लाभ कमाने का

लालच देकर वादी मुकदमा से धोखाधडी की गयी।

उन्होंने बताया कि साइबर पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से आरोपियों द्वारा पीडित से धोखाधडी से प्राप्त की गयी धनराशि जो भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बडोदा व बन्धन बैंक के खाते में प्राप्त की गयी थी के खाताधारक की जानकारी प्राप्त की गयी व उक्त खाते का खाताधारक के सम्बन्ध में साक्ष्य एकत्रित करते हुये मुकदमें में एक आरोपी मनीष कुमार दास पुत्र माधव कृष्ण दास वर्तमान पता रोहरा लेजेंड फ्लैट ४सी चौथी मंजिल गौरंगा नगर न्यू टाउन कोलकाता (पश्चिम बंगाल) स्थाई पता ग्राम तेलनपाली पोस्ट/थाना बनहर पाली जिला झारसुगुडा ओडिसा को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया व अन्य आरोपी दूध कुमार हलदर पुत्र अमरेन्द्र हलदर निवासी ग्राम आटापारा पोस्ट ध ोपाहाट कृष्णपुर थाना मन्दिर बाजार जिला सुन्दरवन कोलकत्ता पश्चिम बंगाल व पूजा चक्रवर्ती पुत्री सजल चक्रवर्ती निवासी कृष्णापुर थाना न्यू टाउन कोलकत्ता पश्चिम बंगाव को घटना में संलिप्तता के आधार पर दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 41(क) का नोटिस तामील कराया गया है। जिनसे घटना में संलिप्तता के सम्बन्ध में पूछताछ की जानी शेष है। गिरफ्तार आरोपी एवं नोटिस दिए गए व्यक्तिओं के खिलाफ जल्द ही आरोप पत्र प्रेषित किया जायेगा।

एक ही दिन में चार दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने एक ही दिन में चार स्थानों से चार दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार लाडपुर निवासी मनबहादुर थापा पुत्र किशन बहादुर थापा ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से मोथरोवाला रोड स्थित बैंक कालोनी में आया था उसने अपना एक्टिवा मकान के बाहर खडा किया था लेकिन जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसका एक्टिवा अपने स्थान से गायब था। वहीं माता मन्दिर मार्ग निवासी शशांक रावत ने नेहरू कालोनी व सुमन नगर राजपुर निवासी स्वाति पुत्री जवाहर लाल तथा किशन पुर कैनाल रोड निवासी अशोक मसी ने भी राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि उनका दुपहिया वाहन घर के बाहर खडा था जब वह बाहर आये तो उनका वाहन अपने स्थान से गायब था।

जोर-जुगाड़ वालों से ..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

भाजपा कुछ भी दावा करती रही हो लेकिन जमीनी सच्चाई को भाजपा नेता समझ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने अब की बार 60 पार का नारा दिया, लेकिन मतदान के बाद भाजपा ने 60 पार से किनारा कर लिया और अब वह अपनी पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनने की बात कर रहे हैं। जो उनके टूटते मनोबल को ही दर्शाता है। उन्हें मतदान के बाद अपनी कमजोर स्थिति का आभास हो गया है यही कारण है कि अब जोड़-तोड़ की संभावनाओं पर वह निर्भर होते दिख रहे हैं।

लाखामंडल के घोरो गांव में खुदाई में मिले अद्भुत शिवलिंग

विशेष संवाददाता

देहरादून। लाखामंडल के गांव घोरो में खुदाई के दौरान अद्भुत और चमत्कारिक शिवलिंग मिले हैं। बड़ी संख्या में मिले शिवलिंग में एक शिवलिंग ऐसा भी है जिस पर पानी डालने पर अपना प्रतिबिंब दिखाई देता है।

इस आशय की जानकारी बाबूलाल शर्मा द्वारा दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लाखामंडल के घोरो गांव में एक पर्यटन स्थल के सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। यहां एक पुरानी दीवार को खोदते समय लाल काले और सफेद रंग के अनेक शिवलिंग मिले हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के पुरातत्व व सांस्कृतिक

मतगणना से पहले भाजपा...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

परिणाम को लेकर चिंतन मंथन कर रही है।

आज की बैठक में सभी 70 प्रत्याशियों से वह उनकी संभावनाओं को लेकर एक समग्र नतीजे पर पहुंचने का प्रयास कर रही है। कैलाश विजयवर्गीय और प्रदेश के तमाम नेताओं की केंद्रीय नेताओं से हुई मेल मुलाकातों के बाद भाजपा अब हर संभावित स्थिति के लिए पहले ही रणनीति तैयार कर लेना चाहती है। आज के इस महामंथन का यही उद्देश्य अभी तक सामने आया है।

धरोहर संरक्षण विभाग द्वारा उनकी कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी गांव से 500 मीटर दूर चितासीण देवी का मंदिर है जहां यह अद्भुत शिवलिंग मिले हैं। इनमें एक शिवलिंग तो ऐसा है जिस पर पानी डालने पर अपना प्रतिबिंब दिखाई देता है। उन्होंने कहा है कि पुरातत्व विभाग की लापरवाही के कारण इन सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण नहीं हो पा रहा है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।